



सत्यमेव जयते



MINISTER

ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE
GOVERNMENT OF INDIA

मन्त्री
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन
भारत सरकार

भूपेन्द्र यादव
BHUPENDER YADAV



संदेश

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

भाषा मानव चेतना की अभिव्यक्ति का माध्यम होने के साथ-साथ सभ्यता एवं संस्कृति की वाहक होती है। सांस्कृतिक विचार एवं मान्यताएं भाषा के माध्यम से ही अभिव्यक्त होती हैं। अतः किसी भी देश की सांस्कृतिक अस्मिता को बनाए रखने के लिए उसकी भाषा का सम्मान होना आवश्यक है।

विविधताओं से भरे हमारे देश में हिंदी भाषा हमें राष्ट्रीय एकता व अखंडता के सूत्र में पिरोती है। यह सहज-सरल और जन-जन की भाषा है। देश में अधिकांश लोगों द्वारा तथा पूरे विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा है। हिंदी अपने उदार स्वरूप को परिलक्षित करते हुए हिंदी ने विभिन्न भारतीय भाषाओं के शब्दों को ही नहीं, अपितु विदेशी भाषाओं के शब्दों को भी आत्मसात करते हुए समृद्ध स्वरूप प्राप्त किया है।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने हिंदी भाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा है- "हिंदी उन सभी गुणों से अलंकृत है जिनके बल पर वह विश्व की साहित्यिक भाषाओं की अग्रणी श्रेणी में सभासीन हो सकती है।"

प्रत्येक राष्ट्र की एक आधिकारिक भाषा होती है। हिंदी को संविधान सभा द्वारा 14 सितंबर, 1949 को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया। इसलिए प्रति वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है।

अत्यंत हर्ष की बात है कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मंत्रालय में 01 सितंबर से 30 सितंबर, 2025 तक हिंदी माह का आयोजन किया जा रहा है जिसमें मंत्रालय के अधिकारियों/कर्मचारियों के हिंदी भाषा के प्रति उत्साह एवं रुचि को प्रगाढ़ बनाने के लिए विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जा रहा है।

मैं, इस अवसर पर, मंत्रालय एवं इसके सभी क्षेत्रीय/संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों आदि के कार्मिकों का आह्वान करता हूँ कि आप पूरे हर्ष एवं उल्लास के साथ कार्यालय में अपना अधिकाधिक कार्य हिंदी में करते हुए हिंदी के प्रगामी प्रयोग को सुनिश्चित करें।

नई दिल्ली,
सितम्बर, 2025

(भूपेन्द्र यादव)